a2zpapers.com

Exam. Code : 216301
Subject Code : 5944

M.A. (Hindi) 1st Semester

HINDI NATAK OR RANGMANCH

Paper—V (i)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

भाग—क

1. निम्नलिखित गद्यांशों/पद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या करें : 4×6=24

(i) टके के वास्ते धर्म्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचैं, टके के वास्ते झूठी गवाही दें। टके के वास्ते पाप को पुण्य मानैं। टके के वास्ते नीच को भी पितामह बनावै।

(ii) फांसी। अरे बाप रे बाप फांसी !! मैंने किस की जमा लूटी है कि मुझको फांसी। मैंने किस के प्राण मारे कि मुझ को फांसी।

(iii) राजनीति ! राजनीति ही मनुष्यों के लिए सब कुछ नहीं है। राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्व-मानव के साथ व्यापक सम्बंध है।

(iv) विवाह की विधि ने देवी ध्रुवस्वामिनी और रामगुप्त को एक भ्रन्तिपूर्ण बंधन में बांध दिया है। धर्म का उद्देश्य इस तरह पददलित नहीं किया जा सकता।

(v) सच जैसी चीज नहीं होती। जो आज सच है वही कल झूठ हो जाएगा। हर क्षण पृथ्वी घूम रही है। हर चीज यहाँ बदल रही है। इसकी बात की कोई कीमत है नहीं।

(vi) प्राण पखेरू उड़ गए खाली पड़ा शरीर
अरी बावली किसलिए रोती है। दिलगीर।

www.a2zpapers.com
a2zpapers.com

a2zpapers.com

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें : 4×6=24

(i) 'अंधेर नगरी' नाटक के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालें।

(ii) महंत और गोवर्धनदास की अंधेर नगरी के विषय में हुई वार्ता की चर्चा करें।

(iii) चन्द्रगुप्त की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

(iv) राजनीति का प्रतिशोध क्या एक नारी को कुचले बिना नहीं हो सकता ? उक्ति पर ध्रुवस्वामिनी नाटक के संदर्भ में विचार करें।

(v) पुरोहित और धुमलू के पारस्परिक व्यवहार पर टिप्पणी करें।

(vi) 'जीतन' पात्र की चारित्रिक विशेषताएं लिखें।

भाग—ख

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों पर युक्तियुक्त विचार करें : 2×16=32

(i) 'अंधेर नगरी' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालें।

(ii) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक की मूल समस्या पर विचार करें।

(iii) ध्रुवस्वामिनी नाटक एक समस्या-नाटक है — सिद्ध करें।

www.a2zpapers.com

a2zpapers.com